भारत का भौतिक भूगोल

पा.सं.	अध्याय शीर्षक	कौशल	क्रियाकलाप
9	भारत का भौतिक भूगोल	आत्म बोध, समस्या समाधान, विवेकशील सोच, निर्णय ले पाना	आसपास के स्थलाकृतिक लक्षणों की प्रंशसा करना

अर्थ

भारत एक विशाल देश है। यह विश्व का सातवां बड़ा देश है। उत्तर में जम्मू व काश्मीर राज्य से इसका विस्तार दक्षिण के तमिलनाडु; पूर्व में अरूणाचल प्रदेश से पश्चिम के गुजरात तक है। हमारे यहाँ हिमालय में विश्व की सबसे ऊँची पर्वतमालाएं तथा विश्व के बड़े मैदानी भागों में से एक उत्तरी मैदान है।

स्थिति एवं विस्तार

- भारत के मूख्य भू-भाग का अक्षांशीय विस्तार 8° 4′ से 37° 6′ उत्तर है।
- भारत के मुख्य भू-भाग का देशांतरीय विस्तार 68° 7′ से 97° 25′ पूर्व है।
- उत्तर दक्षिण विस्तार 3214 कि. मी. है।
- पूर्व पश्चिम विस्तार 2933 कि. मी. है।
- विश्व की कुल भूमि का 2.4% भाग भारत में है।
- भारत पूर्णत: उत्तरी गोलार्द्ध तथा पूर्वी गोलार्द्ध में आता है।
- कर्क रेखा (23° 30′ उत्तरी अक्षांश) भारत के लगभग मध्य से गुजरती है।
- भारत की मानक मध्यान्ह (82° 30′ पू. देशांतर) रेखा देश के लगभग मध्य से गुजरती है।
- भारत तीन तरफ से पानी से घिरा हुआ है अर्थात अरब सागर (पश्चिम), बंगाल की खाड़ी (पूर्व) तथा हिन्द महासागर (दक्षिण) से।
- कन्याकुमारी भारतीय मुख्य भू-भाग का दक्षिणतम् बिन्दु (8° 4′ उत्तरी अक्षांश) है।

स्थिति का महत्व

- क्षेत्र के आधार पर भारत संसार का सातवां बड़ा देश है।
- इसकी स्थलसीमा 15,200 किलोमीटर तथा 6100 कि. मी. लंबी तट रेखा है।
- अंडमान और निकोबार महत्वपूर्ण द्वीप समूह है जो बंगाल की खाड़ी में स्थित है तथा लक्षद्वीप अरब सागर में स्थित है।
- भारत को 28 राज्यों और 7 संघ राज्य क्षेत्रों में विभाजित किया गया है।
- भारत की हिन्द महासागर में स्थिति सामरिक महत्व की है।
- इसका यूरोप और अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी एशिया और ओशिनिया के बीच समुद्री मार्गो पर नियंत्रण है।
- समुद्र और स्थल सीमाओं के संदर्भ में भारत की स्थिति बहुत ही अच्छी है।

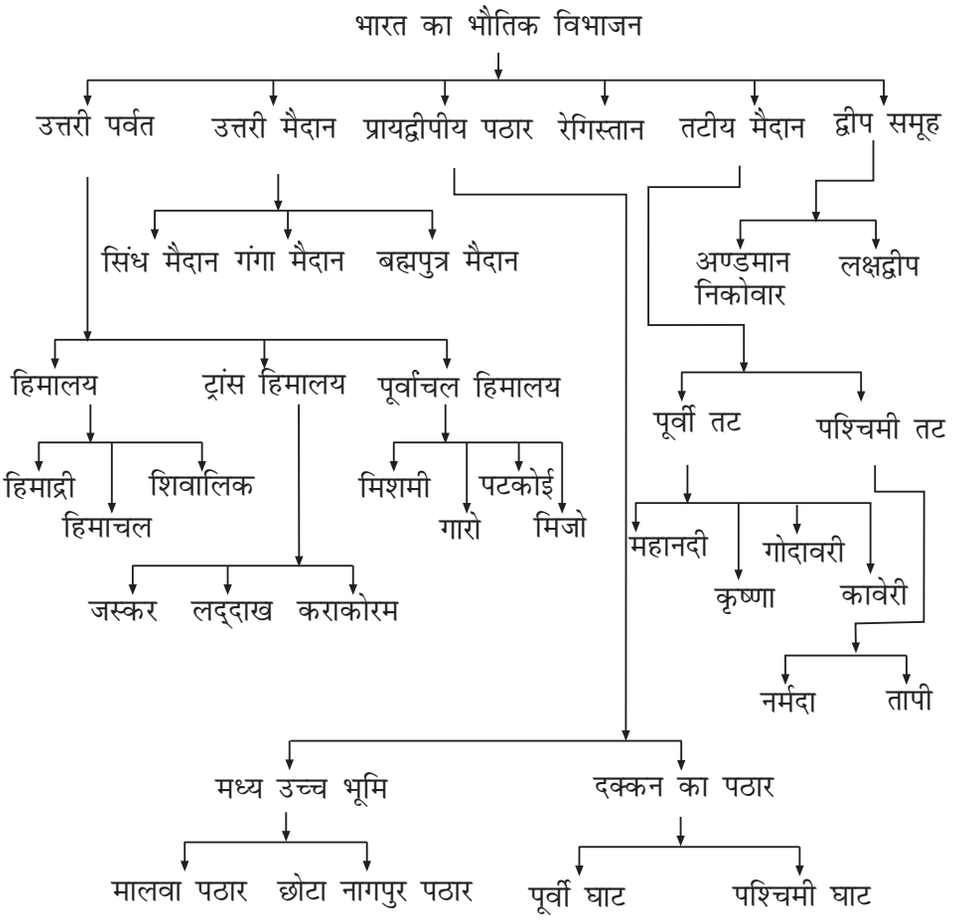

जल प्रवाह प्रणाली

हिमालयी जल प्रवाह प्रणाली
- बारहमासी
- सिन्धु, गंगा, ब्रह्मपुत्र नदी प्रणाली

प्रायद्वीपीय जल प्रवाह प्रणाली
- मौसमी
- महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी

नदियों को साफ रखना

जल जीवन का आधार हैं। जल का 1 प्रतिशत से भी कम मीठा ताजा पानी हम प्रयोग करते हैं। जल का यह छोटा सा भाग प्रत्येक प्रकार के जीवन रूपों के लिए हैं। इसीलिए यह प्रत्येक के लिए बहुमूल्य हैं। हमारे ताजे मीठे पानी के स्रोत जैसे नदी, झील इत्यादि बढ़ते जल प्रदूषण के कारण कम होते जा रहे हैं।

शहर, नदियों के किनारे बसे हैं तथा उन में अत्याधिक प्रदूषण हो रहा है। भारतीय नदियों में लगभग 70% प्रदूषण मल निकास के कारण हैं। जैविक, रसायनिक तथा औद्योगिक दूषित पदार्थ अत्याधिक मात्रा में नदियों व झीलों में डाले जा रहे हैं जो जलीय जीवन को नष्ट कर रहे हैं तथा स्वास्थ्य संकट पैदा कर रहे हैं। सरकार ने महत्वाकांक्षी गंगा नदी कार्य योजना (जी. ए. पी.) तथा राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (एन. आर. सी. पी.) को पानी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रारम्भ किया है।

स्वयं का मूल्यांकन कीजिए

प्र. "भारत भौतिक विविधाओं का देश है" उपयुक्त उदाहरण देकर इसकी व्याख्या कीजिए।

प्र. हिमालय किस प्रकार प्राकृतिक अवरोध के रूप में कार्य करता है? स्पष्ट कीजिए।

प्र. भारत के उत्तरी मैदान में गंगा नदी प्रणाली किस प्रकार आर्थिक विकास में सहायक है?